बंद पड़े 65 पंचायत उद्योगों को संचालित कराएगी सरकार

राज्य ब्यूरो, जागरण● लखनऊ: पंचायती राज विभाग द्वारा संचालित पंचायत उद्योगों की हालत खस्ता है। 95 में से 65 उद्योग इस समय बंद पड़े हैं। बंद पड़े उद्योगों को फिर से चलाने की कवायद शुरू की जा रही है। पंचायती राज मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने उद्योगों की मौजूदा स्थिति पर विस्तृत रिपोर्ट तलब की है। यह भी पूछा है कि वर्तमान में इन उद्योगों में कितने कर्मचारी व अधिकारी तैनात हैं।

मंत्री द्वारा पंचायत उद्योगों के बारे में रिपोर्ट तलब किए जाने के बाद पंचायती राज विभाग उद्योगों का ब्यौरा तैयार कर रहा है। बंद पड़े उद्योगों को संचालित किए जाने के लिए मंत्री जल्द ही बैठक करेंगे। विभाग के बंद पड़े उद्योगों में करोड़ों की मशीनें धूल फांक रही हैं। विभागीय काम भी बाहर से कराए जा रहे हैं। इस सूचना के बाद मंत्री ने नाराजगी जताई है। पंचायती राज निदेशक को उद्योगों से संबंधित विस्तृत रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिए हैं।

95 में कुल 30 उद्योग चल रहे हैं 65 बंद पड़े हैं

बिना टेंडर इन उद्योगों से सरकारी खरीद का है शासनादेश

पंचायत उद्योगों में प्रबंधक व श्रमिकों की तैनाती पंचायत उद्योग समिति द्वारा की जाती है। विभाग की तरफ से पंचायत निरीक्षक उद्योग के 19 पद स्वीकृत हैं जिनमें से इस समय 11 निरीक्षक तैनात हैं। निरीक्षकों की कमी को देखते हुए 19 ग्राम पंचायत अधिकारियों से पंचायत निरीक्षक का काम लिया जा रहा है। प्रदेश में पंचायत उद्योगों की योजना की शुरुआत वर्ष 1961 में लखनऊ में चिनहट पंचायत उद्योग से हुई थी। पंचायत उद्योगों में प्रिंटिंग प्रेस, सेनेटरी नैपकिन, फ्लैक्स व होर्डिंग्स, लोहा व लकड़ी के फर्नीचर बनाने, टाट पट्टी, सीमेंट की नाली, वाश बेसिन, सीमेंट के ब्लाक, कुदाल, खुरपा, फावड़ा, बाल्टी, पावर थ्रेशर तथा अन्य कई तरह के उत्पाद बनाने का काम किया जाता है। सरकार के एक शासनादेश के मुताबिक सरकारी विभाग पंचायत उद्योगों से बिना टेंडर खरीदारी करते हैं।

बंद पड़े 65 उद्योग

औरंगाबाद मथुरा, विशौली बदायूं, इटावा, मकरंदपुर कन्नौज, अयोध्या जिले में तीन, भदर अमेठी, आधौली मीरजापुर, नयागांव बुलंदशहर, हापुड़, बिजनौर, जगदीशपुर जौनपुर, जलालपुर जौनपुर, बंकी बाराबंकी, पिहानी हरदोई, संडीला हरदोई, सुरसा हरदोई, उतरा हरदोई, विकास भवन रायबरेली, खैराबाद सीतापुर, सफीपुर उन्नाव, मैनपुरी, खलीलपुर बरेली, शाहजहांपुर, फतेहगढ़ी फर्रूखाबाद, भाग्यनगर औरैया, अकबरपुर अंबेडकरनगर, दुबेपुर सुल्तानपुर, हनुमानगंज बलिया में दो उद्योग, आजमगढ़, मऊ, बस्ती, सिद्धार्थनगर, मेंहदानगर संत कबीरनगर, जालौन, बड़ा गांव झांसी, ललितपुर, शीतलपुर एटा, कासगंज, परसपुर गोंडा, मनकापुर गोंडा, बलरामपुर, फखरपुर बहराइच, जमुनहा श्रावस्ती, सिरसिया श्रावस्ती, संभल, हसनपुर अमरोहा, रामपुर, छुटमलपुर सहारनपुर, सिकरारा जौनपुर, मुफ्तीगंज जौनपुर, मछलीशहर जौनपुर, खेतासराय जौनपुर, चंदौली, सुमेरपुर हमीरपुर, बांदा, श्रीनगर महोबा, प्रतापगढ़, ऐरायां खागा फतेहपुर, देवरिया, गौरा रामपुर कारखाना देवरिया तथा गुडंबा लखनऊ में स्थित उद्योग बंद हैं।